>

Title: Need to improve the service conditions of Madrasa teachers in Uttar Pradesh.

डॉ. निर्मल खत्री (फ़ैज़ाबाद): मदरसों के आधुनिकीकरण की केन्द्र सरकार की अच्छी योजना के क्रियान्वयन में आने वाली कुछ दिक्कतों व मदरसा शिक्षकों की समस्याओं की तरफ सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए मैं यह कहना चाहूंगा कि शिक्षकों की शैक्षणिक योग्यता के नये मानदण्डों को पुराने मदरसों में कार्यरत इस योग्यता को न रखने वाले शिक्षकों पर लागू न कर उत्तर प्रदेश में वर्ष 2005 से इन मसलों की लंबित फाइलों का निस्तारण किया जाये। साथ ही नये मानकों में मदरसों की तीन वर्ष की मान्यता की नई शर्त के स्थान पर मान्यता होना ही पर्याप्त माना जाना चाहिए। उत्तर प्रदेश में ही यह देखा जा रहा है कि मदरसा शिक्षकों का वेतन 8-8 माह पर वितरित होता है, इसे प्रतिमाह या प्रत्येक 3 माह पर वितरित कराने की व्यवस्था बने।

इस समस्याओं से जूझ रहे मदरसा शिक्षकों को सरकार राहत देने पर प्राथमिकता पर कार्यवाही करें।